eISSN- 3049-2610
RESEARCH STREAM
A Bi-Annual, Open Access Pear Reviewed International Journal
Volume 01, Issue 01, October 2024

जॉन रॉल्स के राजनीतिक विचार एक पुनरावलोकन

डा0 अरविन्द कुमार शुक्ल[1]
[1]सहायक प्रोफेसर राजनीति विज्ञान, राजकीय महिला स्ना0 महाविद्यालय बिंदकी, फतेहपुर उ0प्र0

Received: 20 Oct 2024 Accepted & Reviewed: 25 Oct 2024, Published : 31 Oct 2024

Abstract

जॉन रॉल्स उदारवादी परंपरा के एक अमेरिकी राजनीतिक दार्शनिक थे। न्याय के रूप में निष्पक्षता के उनके सिद्धांत में स्वतंत्र नागरिकों के समाज का वर्णन किया गया है, जो समान बुनियादी अधिकार रखते हैं और एक समतावादी आर्थिक प्रणाली के भीतर सहयोग करते हैं। राजनीतिक उदारवाद का उनका सिद्धांत लोकतंत्र में राजनीतिक शक्ति के वैध उपयोग की खोज करता है, और कल्पना करता है कि स्वतंत्र संस्थानों द्वारा अनुमति दी जाने वाली विश्वदृष्टि की विविधता के बावजूद नागरिक एकता कैसे बनी रह सकती है। लोगों के कानून पर उनके लेखन ने एक उदार विदेश नीति निर्धारित की जिसका उद्देश्य स्थायी रूप से शांतिपूर्ण और सहिष्णु अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था बनाना था।

शब्द संक्षेप– राजनीति, राजनीतिक विचारक, जॉन रॉल्स, समानता सामाजिक न्याय

Introduction

उदारवादी परंपरा के एक अमेरिकी राजनीतिक दार्शनिक जॉन रॉल्स का जन्म और पालन–पोषण बाल्टीमोर, मैरीलैंड में हुआ था। उनके पिता एक प्रमुख वकील थे, उनकी माँ महिला मतदाताओं की लीग की एक अध्याय अध्यक्ष थीं। रॉल्स ने प्रिंसटन और कॉर्नेल में अध्ययन किया, जहाँ वे विट्गेन्स्टाइन के छात्र नॉर्मन मैल्कम से प्रभावित थे; और ऑक्सफ़ोर्ड में, जहाँ उन्होंने एच.एल.ए. हार्ट, इसैया बर्लिन और स्टुअर्ट हैम्पशायर के साथ काम किया। उनकी पहली प्रोफ़ेसर नियुक्तियाँ कॉर्नेल और एम.आई.टी. में हुई थीं। 1962 में रॉल्स हार्वर्ड में संकाय में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने तीस से अधिक वर्षों तक पढ़ाया।

रॉल्स एक कॉलेज के छात्र के रूप में– रॉल्स ने एक अत्यंत धार्मिक थीसिस लिखी और पादरी बनने के लिए अध्ययन करने पर विचार किया। फिर भी रॉल्स ने द्वितीय विश्व युद्ध में एक पैदल सैनिक के रूप में युद्ध में मृत्यु की अनिश्चितता को देखने और होलोकॉस्ट की भयावहता को जानने के बाद अपना ईसाई धर्म खो दिया। फिर 1960 के दशक में, रॉल्स ने वियतनाम युद्ध के लिए मसौदे के खिलाफ़ आवाज़ उठाई क्योंकि इसमें अश्वेत और गरीब अमेरिकियों के साथ भेदभाव किया गया था। वियतनाम संघर्ष ने रॉल्स को अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में दोषों का विश्लेषण करने के लिए प्रेरित किया, क्योंकि निर्दयता से उस युद्ध को अंजाम दिया गया था, जिसे वह अन्यायपूर्ण मानता था, और इस बात पर विचार दिये कि नागरिक अपनी सरकार की आक्रामक नीतियों का ईमानदारी से विरोध कैसे कर सकते हैं।

रॉल्स का सबसे चर्चित कार्य न्यायपूर्ण उदार समाज का उनका सिद्धांत है, जिसे न्याय के रूप में निष्पक्षता कहा जाता है। रॉल्स ने पहली बार संमाजिक न्याय को निष्पक्षता के रूप में अपनी 1971 की पुस्तक, ए थ्योरी ऑफ़ जस्टिस में व्यवस्थित विस्तार से प्रस्तुत किया। रॉल्स ने अपने पूरे जीवन में न्याय को निष्पक्षता के रूप में फिर से तैयार करना जारी रखा, राजनीतिक उदारवाद (1993), लोगों का कानून

©RESEARCH STREAM JOURNAL, 2024

eISSN- 3049-2610
RESEARCH STREAM
A Bi-Annual, Open Access Pear Reviewed International Journal
Volume 01, Issue 01, October 2024

(1999), और न्याय के रूप में निष्पक्षता (2001) में सिद्धांत को फिर से प्रस्तुत किया। न्याय के रूप में निष्पक्षता, साथ ही राजनीतिक उदारवाद और लोगों के कानून पर रॉल्स के विचारों के अंतिम कथन को दर्शाती है।

रॉल्स राजनीतिक दर्शन को समाज की सार्वजनिक संस्कृति में कम से कम चार भूमिकाएँ निभाने वाला मानते हैं। पहली भूमिका व्यावहारिक है, जब तीव्र राजनीतिक विभाजन हिंसक संघर्ष की ओर ले जाने की धमकी देते हैं, तो दर्शन तर्कपूर्ण समझौते के लिए आधार प्रस्तावित कर सकता है। रॉल्स हॉब्स के लेवियाथन को अंग्रेजी गृहयुद्ध के दौरान व्यवस्था की समस्या को हल करने के प्रयास के रूप में उद्धृत करते हैं, लॉक के लेटर ऑन टॉलरेशन को धर्म के युद्धों के जवाब के रूप में, साथ ही अमेरिकी संविधान पर बहस से उभरे दर्शन और अमेरिकी गृहयुद्ध से पहले गुलामी के विस्तार पर बहस से। राजनीतिक दर्शन की दूसरी भूमिका नागरिकों को अपनी सामाजिक दुनिया के भीतर खुद को उन्मुख करने में मदद करना है। दर्शन इस बात पर ध्यान दे सकता है कि किसी निश्चित समाज का सदस्य होना क्या है – लोकतंत्र में, एक समान नागरिक और इसके लिए एक एकीकृत ढांचा प्रदान करता है।

न्याय की राजनीतिक अवधारणाएँ को लेकर उदार समाज में वैधता की चुनौती के लिए रॉल्स का समाधान यह है कि राजनीतिक शक्ति का प्रयोग न्याय की राजनीतिक अवधारणा के अनुसार किया जाए। न्याय की राजनीतिक अवधारणा उस समाज की सार्वजनिक राजनीतिक संस्कृति में निहित मौलिक विचारों की व्याख्या है। राजनीतिक अवधारणा किसी विशेष व्यापक सिद्धांत से उत्पन्न नहीं होती है, न ही यह समाज में इस समय मौजूद विश्वदृष्टि के बीच समझौता है। बल्कि, एक राजनीतिक अवधारणा स्वतंत्र होती है। इसकी सामग्री नागरिकों द्वारा पुष्टि किए जाने वाले व्यापक सिद्धांतों से स्वतंत्र रूप से निर्धारित होती है। उचित नागरिक, जो पारस्परिक रूप से स्वीकार्य शर्तों पर एक–दूसरे के साथ सहयोग करना चाहते हैं, वे देखेंगे कि सार्वजनिक राजनीतिक संस्कृति में विचारों से उत्पन्न एक स्वतंत्र राजनीतिक अवधारणा ही सहयोग का एकमात्र आधार है जिसे सभी नागरिकों से उचित रूप से समर्थन की उम्मीद की जा सकती है। इसलिए न्याय की राजनीतिक अवधारणा के सिद्धांतों द्वारा निर्देशित बलपूर्वक राजनीतिक शक्ति का उपयोग वैध होगा। रॉल्स को लोकतांत्रिक समाज की सार्वजनिक राजनीतिक संस्कृति में निम्न सबसे बुनियादी विचार मिलते हैं कि नागरिक स्वतंत्र और समान हैं, और समाज को सहयोग की एक निष्पक्ष प्रणाली होना चाहिए। इसलिए न्याय की सभी उदार राजनीतिक अवधारणाएँ इन तीन मौलिक विचारों की व्याख्याओं पर केंद्रित होंगी। क्योंकि "स्वतंत्र", "समान" और "निष्पक्ष" की कई उचित व्याख्याएँ हैं, इसलिए न्याय की कई उदार राजनीतिक अवधारणाएँ होंगी। चूँकि इस परिवार के सभी सदस्य एक ही तीन मौलिक विचारों की व्याख्या करते हैं, इसलिए न्याय की सभी उदार राजनीतिक अवधारणाएँ कुछ बुनियादी विशेषताओं को साझा करेंगी। न्याय की एक उदार राजनीतिक अवधारणा सभी नागरिकों को परिचित व्यक्तिगत अधिकार और स्वतंत्रताएँ प्रदान करेगी, जैसे कि स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार, विवेक की स्वतंत्रता और व्यवसाय की स्वतंत्रता का विकल्प।

एक राजनीतिक अवधारणा इन अधिकारों और स्वतंत्रताओं को विशेष प्राथमिकता देगी, विशेष रूप से सामान्य भलाई जैसे, राष्ट्रीय धन में वृद्धि या पूर्णतावादी मूल्यों जैसे, मानव उत्कर्ष के एक विशेष दृ ष्टिकोण को बढ़ावा देना को आगे बढ़ाने की माँगों पर निर्भर करता है। एक राजनीतिक अवधारणा सभी

©RESEARCH STREAM JOURNAL, 2024

eISSN- 3049-2610
RESEARCH STREAM
A Bi-Annual, Open Access Pear Reviewed International Journal
Volume 01, Issue 01, October 2024

नागरिकों को उनकी स्वतंत्रता का प्रभावी उपयोग करने के लिए पर्याप्त सर्व–उद्देश्यीय साधन सुनिश्चित करेगी। रॉल्स कहते हैं कि इन अमूर्त विशेषताओं को कुछ खास तरह की संस्थाओं में साकार किया जाना चाहिए। उन्होंने कई मांगों का उल्लेख किया है जो न्याय की सभी उदार अवधारणाएँ संस्थाओं पर करेंगीरू आय और धन का उचित वितरण; सभी नागरिकों के लिए उचित अवसर, विशेष रूप से शिक्षा और प्रशिक्षण में; अंतिम उपाय के रूप में नियोक्ता के रूप में सरकार; सभी नागरिकों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य देखभाल; और चुनावों का सार्वजनिक वित्तपोषण।

उदार समाज में राजनीतिक शक्ति का उपयोग वैध होगा यदि इसे न्याय की किसी भी उदार अवधारणा के सिद्धांतों के अनुसार नियोजित किया जाता है। रॉल्स के मानदंडों के अनुसार, न्याय की एक उदारवादी अवधारणा (जैसे कि नोज़िक की अराजकता, राज्य और यूटोपिया में) न्याय की एक उदार राजनीतिक अवधारणा नहीं है। स्वतंत्रतावाद सभी नागरिकों को उनकी बुनियादी स्वतंत्रता का उपयोग करने के लिए पर्याप्त साधन सुनिश्चित नहीं करता है, और यह धन और शक्ति की अत्यधिक असमानताओं की अनुमति देता है। इसके विपरीत, रॉल्स की न्याय की अपनी अवधारणा (निष्पक्षता के रूप में न्याय) न्याय की उदार राजनीतिक अवधारणाओं के परिवार के सदस्य के रूप में योग्य है।

उदारवादी समाज में राजनीतिक शक्ति का वैध उपयोग तब होता है जब इसका उपयोग न्याय की राजनीतिक अवधारणा के अनुसार किया जाता है। फिर भी स्थिरता की चुनौती बनी हुई है। वैधता का मतलब है कि कानून लागू किया जा सकता है, लेकिन रॉल्स को अभी भी यह स्पष्ट करने की आवश्यकता है कि नागरिक इसका पालन करने के लिए क्यों तैयार हैं। यदि नागरिक यह नहीं मानते हैं कि उनके पास अपने स्वयं के दृष्टिकोण से कानून का पालन करने के कारण हैं, तो सामाजिक व्यवस्था बिखर सकती है।

रॉल्स सामाजिक स्थिरता के लिए अपनी आशाओं को ओवरलैपिंग सर्वसम्मति पर रखते हैं। ओवरलैपिंग सर्वसम्मति में, सभी नागरिक अलग–अलग कारणों से कानूनों के एक मुख्य समूह का समर्थन करते हैं। रॉल्सियन शब्दों में, प्रत्येक नागरिक अपने स्वयं के व्यापक सिद्धांत के आंतरिक कारणों से न्याय की राजनीतिक अवधारणा का समर्थन करता है।

याद रखें कि एक राजनीतिक अवधारणा की सामग्री स्वतंत्र होती है। इसे किसी भी व्यापक सिद्धांत के संदर्भ के बिना निर्दिष्ट किया जाता है। यह एक राजनीतिक अवधारणा को एक मॉड्यूल बनने की अनुमति देता है जो नागरिकों के किसी भी विश्वदृष्टिकोण में फिट हो सकता है। मानव व्यक्ति को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार है। इस स्वतंत्रता का अर्थ है कि सभी लोगों को व्यक्तियों या सामाजिक समूहों और किसी भी मानव शक्ति की ओर से जबरदस्ती से मुक्त होना चाहिए, इस तरह से कि धार्मिक मामलों में किसी को भी गलत तरीके से कार्य करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है।

रॉल्स द्वारा लोगों के कानून की प्रस्तुति का अधिकांश हिस्सा राजनीतिक उदारवाद और न्याय को निष्पक्षता के रूप में प्रस्तुत करने के समानांतर है। चूंकि एक उदार समाज में संस्थाओं की एक बुनियादी संरचना होती है, इसलिए रॉल्स कहते हैं, एक अंतरराष्ट्रीय बुनियादी संरचना होती है। जबकि रॉल्स यह नहीं कहते हैं कि अंतरराष्ट्रीय बुनियादी संरचना का व्यक्तियों के जीवन के अवसरों पर व्यापक प्रभाव पड़ता

©RESEARCH STREAM JOURNAL, 2024

eISSN- 3049-2610
RESEARCH STREAM
A Bi-Annual, Open Access Pear Reviewed International Journal
Volume 01, Issue 01, October 2024

है, इस बुनियादी संरचना के नियमों को बलपूर्वक लागू किया जाता है (उदाहरण के लिए, 1990 में इराक द्वारा कुवैत पर आक्रमण को अन्य देशों के गठबंधन द्वारा बलपूर्वक उलट दिया गया था)। इस प्रकार इस अंतरराष्ट्रीय बुनियादी संरचना को विनियमित करने वाले सिद्धांतों को औचित्य की आवश्यकता है। इन सिद्धांतों के औचित्य को इस तथ्य को समायोजित करना चाहिए कि समकालीन समाजों के बीच विश्वदृष्टि में एक उदार समाज की तुलना में कहीं अधिक बहुलवाद है। रॉल्स ने अंतर्राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे को व्यवस्थित करने के लिए आठ सिद्धांत प्रस्तुत किए हैं।

राल्स के अनुसार लोग स्वतंत्र हैं, तथा उनकी स्वतंत्रता और स्वायत्तता का अन्य लोगों द्वारा सम्मान किया जाना चाहिए। लोगों को संधियों और वचनों का पालन करना चाहिए। लोग समान हैं और उन समझौतों के पक्षकार हैं जो उन्हें बांधते हैं। लोगों को हस्तक्षेप न करने के कर्तव्य का पालन करना चाहिए (मानव अधिकारों के गंभीर उल्लंघन को संबोधित करने के अलावा)। लोगों को आत्मरक्षा का अधिकार है, लेकिन आत्मरक्षा के अलावा अन्य कारणों से युद्ध भड़काने का अधिकार नहीं है। लोगों को मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए। लोगों को युद्ध के संचालन में कुछ निर्दिष्ट प्रतिबंधों का पालन करना चाहिए। लोगों का कर्तव्य है कि वे प्रतिकूल परिस्थितियों में रहने वाले अन्य लोगों की सहायता करें जो उन्हें न्यायपूर्ण या सभ्य राजनीतिक और सामाजिक शासन रखने से रोकते हैं।

ये सभी सिद्धांत, अंतिम एक को छोड़कर, समकालीन अंतर्राष्ट्रीय कानून से परिचित हैं हालांकि रॉल्स की मानवाधिकारों की सूची अंतर्राष्ट्रीय कानून की सूची से छोटी है। रॉल्स ने अपने कानून में विभिन्न संगठनों को शामिल करने के लिए भी जगह छोड़ी है, जो समाजों को उनके राजनीतिक और आर्थिक समन्वय को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं, जैसे कि संयुक्त राष्ट्र, विश्व व्यापार संगठन और विश्व बैंक आदर्श संस्करण हैं।

संदर्भ सूची–

1. रॉल्स, जॉन (1999)। न्याय का एक सिद्धांत: संशोधित संस्करण। पृ. 38. आईएसबीएन 0674000781।

2. रॉल्स, जॉन (1999)। न्याय का एक सिद्धांत: संशोधित संस्करण। पृ. 53-54। आईएसबीएन 0674000781।

3. रॉल्स, जॉन (1999)। न्याय का एक सिद्धांत: संशोधित संस्करण। पृ. 53. आईएसबीएन 0674000781।

4. रॉल्स, जॉन (1999)। न्याय का एक सिद्धांत: संशोधित संस्करण। पृ. 54. आईएसबीएन 0674000781।

5. रॉल्स, जॉन (1971)। न्याय का एक सिद्धांत। पृ. 92. आईएसबीएन 0674017722।

6. रॉल्स, जॉन (1971)। न्याय का एक सिद्धांत। पृ. 255. आईएसबीएन 0674017722.

7. मार्शल कोहेन (16 जुलाई 1972)। "सामाजिक अनुबंध की व्याख्या और बचाव"। द न्यूयॉर्क टाइम्स।

8. नोज़िक, रॉबर्ट (1993)। अराजकता, राज्य और स्वप्नलोक। ऑक्सफोर्ड: ब्लैकवेल पब्लिशर्स। पीपी। 183-231। आईएसबीएन 0-631-19780-एक्स।

©RESEARCH STREAM JOURNAL, 2024